30 बड़ी डिफाल्टर कंपनियों में हिमाचल प्रदेश की इंडियन टेक्नोमैक 19वें स्थान पर है। इन सभी कंपनियों ने राज्य सरकारों व बैंकों को करोड़ों का चूना लगाया है।

अस्मिता का जश्न मना रहा कारसेवकपुरम

रघुवरशरण, अयोध्या

- यहां तीन दशक से तराशा जाता रहा रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का संकल्प
- शनिवार को मंदिर की पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं के सम्मान समारोह से परिभाषित होगी संकल्प की पूर्णता

कारसेवकपुरम के जिस परिसर में रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का संकल्प तराशा जाता रहा, वह फैसला आने के बाद अपनी अस्मिता का जश्न मना रहा है। शनिवार को यहां उन अधिवक्ताओं का अभिनंदन किया जाएगा, जिनकी प्रखर-प्रभावी पैरवी से रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का संकल्प सिद्धि के मुहाने तक आ पहुंचा है। इसी के साथ ही मंदिरों की नगरी में अलहदा पहचान बनाने वाले कारसेवकपुरम की विरासत फलक पर है। 1990 की कारसेवा में दर्जनों कारसेवकों को खोने के साथ यदि मंदिर आंदोलन और इसके संवाहक व्यापक सहानुभूति-समर्थन के पात्र बने तो 91 के चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश सहित चार राज्यों की सत्ता के साथ लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल का रुतबा मिला। प्रतिष्ठा पाने के इसी दौर में कारसेवकपुरम वजूद में आया।

इसके पीछे मकसद था कि राममंदिर की आवाज बुलंद करने वाले कार्यक्रमों के लिए समुचित स्थल और आंदोलन का नेतृत्व करने वालों के लिए आवासीय सुविधा सुलभ हो सके। पुण्यसलिला सरयू से लगे 10 एकड़ के परिसर में कारसेवकपुरम की नींव रखने वालों में मंदिर आंदोलन के पर्याय रामचंद्रदास परमहंस एवं महंत नृत्यगोपालदास सहित मंदिर आंदोलन के मुख्य शिल्पी अशोक सिंहल एवं संघ से जुड़े शीर्ष चिंतक मोरोपंत पिंगले जैसी विभूतियां थीं। शुरुआत भरतकुटी के रूप में 25 गुणे 20 फीट के हाल और उसी से लगे एक कामचलाऊ कक्ष और रसोई के निर्माण से हुई। जल्द ही यह मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों के तीर्थ के तौर पर विकसित हुआ। ढांचा ध्वंस के पूर्व उपजे जोश की भाव-भूमि यहीं तैयार हुई। ध्वंस के बाद तत्कालीन विहिप सुप्रीमो अशोक सिंहल कुछ सहयोगियों के साथ यहीं से गिरफ्तार किए गए।

अयोध्या स्थित कारसेवकपुरम में अधिवक्ताओं के अभिनंदन के लिए तैयार हो रहे मंच का जायजा लेते महापौर रिषिकेश उपाध्याय। जागरण

ढांचा ध्वंस की अनुगूंज कुछ ही वर्षों में थम गई पर कारसेवकपुरम लंबे समय के लिए आबाद हो गया और यह मंदिर आंदोलन के साथ धार्मिक-सांस्कृतिक एवं विहिप की सांगठनिक गतिविधियों का केंद्र बना। मंदिर मुद्दा अदालत की परिधि में केंद्रित होने के साथ गत दशक से कारसेवकपुरम की हलचल भले ही कुछ हद तक थमी पर तब तक कारसेवकपुरम की प्रतिष्ठा पुख्ता हो चली थी। कारसेवकपुरम अनेक प्रखंड से सज्जित है। मुख्य प्रखंड भारत कल्याण प्रतिष्ठानम एक खुले मैदान, चार मझोले सभागार और दर्जनभर कक्ष से संयोजित है। मंदिर आंदोलन की दशा-दिशा तय करने के साथ इस प्रखंड का उपयोग विहिप और उसके विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करने में होता रहा है। विहिप का यह स्थानीय मुख्यालय ढाई दशक पुरानी गोशाला, श्रीराम वेद विद्यालय और मध्य में विशाल मैदान से युक्त है। जहां मोरारी बापू जैसे शीर्षस्थ रामकथा मर्मज्ञ प्रवचन कर चुके हैं।

पूरी भव्यता देने और अक्षुण्ण रखने का होगा प्रयास

विहिप प्रवक्ता शरद शर्मा के अनुसार कोई शक नहीं कि कारसेवकपुरम मंदिर आंदोलन का महान स्मारक है और रामलला के हक में फैसला आने के साथ इसे पूरी भव्यता देने और अक्षुण्ण रखे जाने का प्रयास किया जाएगा।

शांति और भाईचारे की बात ओवैसी पसंद नहीं करते : शाहनवाज

राज्य ब्यूरो, जयपुर : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने अयोध्या फैसले पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के निर्णय को गलत बताया है। उन्होंने कहा है कि बोर्ड ने देश के मुसलमानों से बात किए बिना सिर्फ एआइएमआइएम नेता असदुद्दीन ओवैसी के कहने पर पुनर्विचार याचिका का फैसला किया है। हुसैन ने कहा कि जहां भी शांति और भाईचारे की बात आती है, वह ओवैसी को पसंद नहीं आती।

राजस्थान यात्रा पर आए हुसैन ने शुक्रवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि कांग्रेस ने ही अयोध्या की समस्या भी दी थी और आजादी के बाद से ही इस मुद्दे को उलझाए भी रखा, लेकिन देश में फैसले के बाद जिस तरह का सौहार्द का वातावरण रहा, उसकी तारीफ की जानी चाहिए। शाहनवाज ने बताया कि फैसले से पहले हमारे साथ हुई बैठक में मुसलमानों ने कहा था कि कोर्ट का जो भी फैसला आएगा हम स्वीकार आएंगे। इस केस के पक्षकार को भी मंजूर है। सुन्नी वक्फ बोर्ड भी फैसले के साथ है लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और ओवैसी को यह फैसला पसंद नहीं है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देश के मुसलमानों से बातचीत किए बिना ओवैसी ने जो कहा उसे मान लिया, जबकि 99 प्रतिशत से भी ज्यादा मुसलमान सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के कहे अनुसार सरकार इस पर काम शुरू करेगी।

देवरस, रज्जू भैया व सिंहल ने आगे बढ़ाया मंदिर आंदोलन : कटियार

रघुवर शरण, अयोध्या

'तत्कालीन संघ प्रमुख बाला साहब देवरस, संघ के शीर्ष विचारक प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया और अशोक सिंहल ने मंदिर आंदोलन को 1983 में आगे बढ़ाया था। सिंहल उन दिनों संघ के प्रखर प्रचारक की भूमिका से निवृत्त होकर दिल्ली को केंद्र बना कर विश्व हिंदू परिषद का काम देख रहे थे।' यह कहना है, हिंदुत्व की उत्साही ब्रिगेड बजरंगदल के संस्थापक संयोजक और मंदिर आंदोलन के प्रवक्ता रहे विनय कटियार का। तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा सदस्य रहे विनय कटियार ने बताया कि किशोरावस्था से ही विद्यार्थी परिषद से जुड़ाव था और आपातकाल के विरोध की सक्रियता थमने और आपातकाल हटने के साथ संघ में आ गया। यह संघ की ही योजना के अनुसार हिंदू जागरण मंच का गठन किया गया और मुझे इसका प्रभार सौंप दिया गया। यह 1983 का दौर था। इसी बीच तत्कालीन संघ प्रमुख बाला साहब देवरस, संघ के ही शीर्ष विचारक प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया और अशोक सिंहल ने रामजन्मभूमि मुक्ति के प्रयास की परिकल्पना की। इस परिकल्पना को साकार करने के लिए मुझे लखनऊ से अयोध्या भेजा गया। एक सवाल के जवाब में कहा कि मंदिर निश्चित रूप से भव्यतम बनना चाहिए। निर्धारित मॉडल के अनुरूप मंदिर बनाने के बाद भी पूरे परिसर को भव्यतम बनाने की ढेर सारी संभावनाएं हैं। शासकीय न्यास को लेकर कहा कि इसे लेकर कोई आपाधापी नहीं है। इसके स्वरूप को लेकर सभी आश्वस्त हैं।

एक-एक पल यादगार

विनय कटियार जागरण

विनय कटियार ने कहा, मेरे लिए मंदिर आंदोलन का एक-एक पल यादगार है पर कुछ ऐसे सोपान हैं, जो भुलाए नहीं भूलते। फूलबाग की सभा उनमें से एक है ही। 1984 में रामजन्मभूमि मुक्ति के लिए चलीं रथ यात्राएं जनकपुर से अयोध्या पहुंचीं तो उनके स्वागत में सरयू पुल पर जैसे पूरी अयोध्या उमड़ पड़ी। उसी वर्ष 7 अक्टूबर को सरयू तट पर रामजन्मभूमि मुक्ति का संकल्प भी प्रबल उत्साह का संचार करने वाला था। मंदिर की मुक्ति का संकल्प लेने के लिए रामभक्तों का सैलाब उमड़ा था। 1989 में शिलान्यास और 90 की कारसेवा मंदिर आंदोलन की ताकत परिभाषित करने वाली रही।

कंबोडिया में बनेगा पांचवां धाम लगेगी 180 फुट की शिवमूर्ति

तैयारी ▶ अंकोरवाट मंदिर के नजदीक विकसित होगा नया तीर्थस्थल

पूर्वी एशिया में हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रसार का बनेगा केंद्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भगवान शिव की 180 फुट ऊंची मूर्ति के साथ कंबोडिया में पांचवां धाम स्थापित होने जा रहा है। शंकराचार्य द्वारा लगभग 1400 साल पहले द्वारका, बद्रीनाथ, जगन्नाथपुरी और रामेश्वरम में स्थापित चारों धाम भारत में हैं। लेकिन, अब बनने जा रहा पांचवां धाम देश की सीमाओं से दूर होगा। पांचवें धाम बनाने की जरूरत बताते हुए आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कहा कि पूर्वी एशिया में सनातन हिंदू संस्कृति और धर्म के प्रचार-प्रसार में कंबोडिया में बनने जा रहा धाम अहम भूमिका निभाएगा।

मंदिर बनाने वाले ट्रस्ट के प्रमुख व कंबोडिया के ही रहने वाले गुरुजी कुमारन स्वामी ने कहा कि 500 करोड़ से अधिक की लागत से पूरे धाम का निर्माण होगा। इसमें शिव की विशाल मूर्ति के साथ-साथ गणेश और बुद्ध की भी मूर्तियां लगेंगी। ध्यान देने की बात है कि कंबोडिया की 97 फीसद से अधिक आबादी बौद्धों की है। कुमारन स्वामी के अनुसार यह धाम अंकोरवाट स्थित विश्व के सबसे बड़े विष्णु मंदिर से लगभग 30 किलोमीटर दूर है। उम्मीद की जा रही है कि पूरी दुनिया से अंकोरवाट आने वाले पर्यटक और धर्मयात्री शिव के नए धाम की भी यात्रा कर सकेंगे। कुमारन स्वामी ने कहा कि पांचवें धाम की आधारशिला रखी जा चुकी है और पूरी दुनिया से लोग अब इस स्थान की यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। उनके अनुसार, भारत से तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 29 नवंबर को दिल्ली से रवाना होगा।

इंद्रेश कुमार ने कहा कि विदेश में भारतीय संस्कृति और धर्म के प्रसार के लिए पहली बार एक योजना के तहत काम शुरू हुआ है। कंबोडिया में स्थापित होने जा रहा धाम इसी कड़ी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद दुनिया के दूसरे भागों में भी इस तरह के हिंदू धर्म और संस्कृति जुड़े बड़े केंद्रों की स्थापना की जाएगी। पांचवें धाम के निर्माण के लिए कंबोडिया में बने ट्रस्ट के इंद्रेश कुमार भी सदस्य हैं। ध्यान देने की बात है कि विदेश में मंदिर से संबंधित किसी ट्रस्ट में पहली बार आरएसएस के वरिष्ठ नेता सीधे जुड़े हैं।

उप्र में नौ दिन में सुनवाई पूरी दुष्कर्मी को 20 साल की कैद

जागरण संवाददाता, महोबा: किशोरी के साथ अपहरण-दुष्कर्म के गंभीर मामले में अदालत ने महज नौ दिन की सुनवाई में फैसला सुनाकर नजीर पेश की है। उप्र के महोबा में शुक्रवार को अपर सत्र न्यायालय प्रथम की अदालत ने दोषी को 20 साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इससे पहले कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में औरैया में भी नौ दिन की सुनवाई में फैसला सुनाया गया था। घटना 5 अक्टूबर 2019 की है। कबरई क्षेत्र के एक मुहल्ले में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी को कस्बे के ही रहने वाले करन अहिरवार ने अगवा कर लिया था। उसे चित्रकूट ले गया। वहां कई दिन साथ रखा और दुष्कर्म किया। विरोध पर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। घटना के अगले दिन 6 अक्टूबर को किशोरी के भाई की तहरीर पर कबरई थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

विवेचना अधिकारी ने जांच पूरी कर छह नवंबर को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। 13 नवंबर को मामला न्यायालय में विचाराधीन हुआ और 14 नवंबर से सुनवाई शुरू हुई। 18 नवंबर तक लगातार सुनवाई चली। इसके बाद फैसला सुरक्षित कर लिया गया।

फिरोज के समर्थन में आया आरएसएस बीएचयू में छात्रों का धरना हुआ समाप्त

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- मुस्लिम संस्कृत शिक्षक की नियुक्ति के विरोध में 16 दिन से धरना दे रहे थे छात्र
- विवि के संपर्क में थे केंद्रीय मंत्री निशंक, धरना खत्म होने पर जताई संतुष्टि

> बीएचयू के अधिनियमों में कहीं नहीं दर्ज है कि संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में सिर्फ हिंदू शिक्षक ही पढ़ाएंगे। ऐसे में मुस्लिम शिक्षक के नियुक्ति का विरोध सर्वथा अनुचित है।
> -डॉ. राजेश सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, बीएचयू

काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के साहित्य विभाग में छंद शास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किए गए मुस्लिम शिक्षक फिरोज खान को लेकर उपजा विवाद शुक्रवार को पटाक्षेप की तरफ बढ़ गया। 16 दिन से धरना दे रहे छात्रों ने शाम को सशर्त धरना समाप्ति की घोषणा कर दी। उधर, धरनारत छात्रों को शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के पक्ष से समर्थन मिलने से अब तक मौन चल रहे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने आननफानन बैठक कर मुस्लिम शिक्षक की नियुक्ति का समर्थन करते हुए विरोध की निंदा की। बता दें बीएचयू विवाद शुरू होने के बाद से केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक लगातार विश्वविद्यालय के संपर्क में थे। शुक्रवार को जब पूरा विवाद खत्म हो गया तो निशंक में संतुष्टि जताई। इससे पहले आरएसएस की ओर से सुबह ही बैठक कर अपने मत को स्पष्ट करने संबंधी पत्र मीडिया के लिए जारी कर दिया गया। काशी विभाग संघचालक डॉ. जयप्रकाश लाल ने पत्र के माध्यम से बताया कि संघ का मत है कि फिरोज का विरोध करना गलत है। संघ का यह भी दृढ़ मत है कि संस्कृत साहित्य को समर्पित व श्रद्धा भाव से पढ़ाने वाले वैधानिक चयन प्रक्रिया से नियुक्त किसी भी व्यक्ति का सांप्रदायिक आधार पर विरोध विधि विरुद्ध है और यह कृत्य सामाजिक सौहार्द को भी बिगाड़ने वाला है।

अन्य तरीकों से होगा विरोध : धरनारत छात्रों ने इस शर्त के साथ धरना खत्म किया कि जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाता है वे अन्य तरीकों से विरोध जारी रखेंगे। इस क्रम में कक्षा बहिष्कार भी जारी रखेंगे।

दस दिन में बीएचयू देगा जवाब : धरनारत छात्रों को बीएचयू प्रशासन ने लिखित आश्वासन दिया है कि मुस्लिम शिक्षक की नियुक्ति को लेकर उनके द्वारा उठाए गए सवालों का दस दिन के भीतर जवाब दिया जाएगा।

फिरोज खान की नियुक्ति को लेकर उठ रहे सवालों को साक्षात्कार के लिए गठित पैनल भी गलत ही ठहरा रहा है। पैनल के सदस्यों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि कुल दस लोगों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था, जिसमें से नौ आए। कुलपति का स्पष्ट निर्देश था कि संस्कृत में ही साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी की जाए। ऐसे में सिर्फ तीन अभ्यर्थियों ने ही पूर्णतः संस्कृत में साक्षात्कार दिया, जिसमें फिरोज भी थे।

मुसलमान संस्कृत साहित्य पढ़ाए तो गलत क्या है : संस्कृत भारती

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी संस्था संस्कृत भारती ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में सहायक प्रोफेसर फिरोज खान का समर्थन करते हुए सवाल किया है कि मुसलमान के संस्कृत पढ़ाने में गलत क्या है? अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) 'संस्कृत विद्या धर्म संकाय' में प्रोफेसर खान की नियुक्ति का विरोध कर रहा है। हालांकि विवि ने खान का समर्थन किया है।

बैंक फ्राड में भूषण स्टील के पूर्व सीएमडी संजय सिंघल गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को हजारों करोड़ रुपये के मनी लांड्रिंग मामले में भूषण पॉवर एवं स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के पूर्व मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजय सिंघल को गिरफ्तार कर लिया। मनी लांड्रिंग का यह मामला बैंक लोन फ्राड से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक इस मामले में शुक्रवार शाम कई घंटे की पूछताछ के बाद सिंघल को मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि सिंघल जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे, इसलिए उन्हें हिरासत में रखा गया था। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को सिंघल को कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी उनकी हिरासत मांगेगी।

इस मामले में ईडी ने हाल ही में बीपीएसएल की 4,025 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की थी। एजेंसी ने कहा था कि बीपीएसएल के तत्कालीन सीएमडी सिंघल और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा 695.14 करोड़ रुपये की पूंजी दिखाई गई थी। इस पूंजी को गलत तरीके से लांग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीडी) के रूप में दर्शाया गया था, जबकि उसे बीपीएसएल को बैंकों से मिले कर्ज से ही निकाला गया था। उस समय एलटीसीजी को आयकर में छूट मिली थी।

सीबीआइ ने सिंघल और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए थे, उसी के आधार पर ईडी ने मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया था।

सेविका बोली-वेनेजुएला के फर्जी पासपोर्ट से फरार हुआ नित्यानंद

शत्रुघ्न शर्मा, अहमदाबाद

अश्लील सीडी को लेकर विवादों में रह चुका नित्यानंद स्वामी वेनेजुएला के फर्जी पासपोर्ट पर देश से फरार होकर एक्वाडोर में छिपा हुआ है। यह दावा उसके आश्रम की एक विदेशी सेविका ने किया है। बेंगलुरु की दो लड़कियों को अहमदाबाद लाने को लेकर दर्ज अपहरण के मामले की गुजरात पुलिस जांच कर रही है। इसके साथ ही नित्यानंद के खिलाफ उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की पुलिस भी जांच में जुट गई है। आश्रम की विदेशी सेविका सारा लेंड्री ने दावा किया है कि वेनेजुएला के फर्जी पासपोर्ट पर नित्यानंद देश से फरार हो गया और अभी वह एक्वाडोर में छिपा हुआ है। विदेशी सेविका ने आश्रम में बच्चों के साथ क्रूरता बरतने, श्रम कराने व यौन शोषण करने का भी आरोप लगाया है। आश्रम में धार्मिक विधि व दैवीय शक्तियों के नाम पर बच्चों के साथ प्रयोग किए जाते थे।

आश्रम के एक पूर्व सहयोगी का दावा है कि नित्यानंद अश्लील वीडियो बनवाता व बांटता है। स्वामी के पास सम्मोहन की शक्ति है जिसका इस्तेमाल वह अपने समर्थक बनाने व आस्था रखने वालों से धन लेने में करता है। नित्यानंद को करीब से जानने वाले दर्जनों लोग आश्रम छोड़ गए और कुछ लापता भी हैं। ऐसे लोगों में मां मनीषा भी शामिल है। केलॉरिक्स समूह अहमदाबाद की डीपीएस स्कूल व दृष्टिहीन मंडल के बच्चों को लेकर भी आश्रम की सेविकाएं प्रयोग कर चुकी हैं।

मुक्त कराई गई लड़की ने आश्रम में प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया

अहमदाबाद, एएनआइ : एक लड़की ने कहा है कि नित्यानंद के आश्रम में उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। 15 वर्षीया लड़की को एक माह पूर्व आश्रम से मुक्त कराया गया था। उसके माता-पिता बाल कल्याण समिति की मदद से मुक्त कराने में कामयाब हुए थे। लड़की ने कहा, 'मैं मई 2013 में गुरुकुल में शामिल हुई। शुरू में हम खेलकूद में शामिल होते थे। बाद में हमें स्वामीजी के लिए प्रचार करना और दान लेना होता था। दान तीन लाख रुपये से आठ करोड़ रुपये तक पहुंचता था।' उसने आगे बताया, 'आधी रात को वे हमें जगाते थे और स्वामीजी के लिए वीडियो बनाते थे। गहने पहनाए जाते थे और खूब सारा मेकअप करना होता था। मेरी बड़ी बहन वहां से बाहर आने में असमर्थ थी। स्वामीजी के निर्देश पर मेरी बहन ऐसा कर रही थी। वे हमसे माता-पिता के बारे में गलत तरीके से बोलने के लिए कहते थे। उन्होंने मुझसे भी ऐसा करने को कहा लेकिन मैंने इन्कार कर दिया।' लड़की ने बताया कि आश्रम प्रशासन ने कुछ आध्यात्मिक प्रक्रिया के नाम पर दो महीने तक एक कमरे में बंद कर दिया था। आश्रम के लोग गालियों से बातें किया करते थे।

अभिनेत्री शबाना आजमी की 93 वर्षीय मां शौकत कैफी का निधन

मुंबई, प्रेट्र : मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी की मां व प्रसिद्ध शायर तथा गीतकार कैफी आजमी की पत्नी शौकत कैफी का शुक्रवार शाम मुंबई में निधन हो गया। वह 93 वर्ष की थीं। शौकत के दामाद और मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने उनके निधन की जानकारी दी। उन्हें शनिवार दोपहर सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

शौकत कैफी। फाइल

अख्तर फिलहाल अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने बताया, 'वह 93 वर्ष की थीं और स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों से जूझ रही थीं। उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ दिनों के लिए उन्हें आइसीयू में भी रखा गया।' उन्होंने कहा, 'अंत में उन्हें घर लाया गया। वह अपने कमरे में रहना चाहती थीं। वह एक-दो दिन अपने कमरे में रुकीं और शुक्रवार को उनका निधन हो गया। शबाना मुंबई में हैं।'

शौकत और उनके पति कैफी 'इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन' और 'प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन' के जानेमाने नाम थे। शबाना आजमी के अलावा शौकत का एक बेटा बाबा आजमी हैं। शौकत ने 'बाजार', 'उमराव जान' और मीरा नायर की ऑस्कर नामित फिल्म 'सलाम बांबे!' में भी अभिनय किया था।

आयुर्वेद में भी संस्कृत शिक्षक बनने का मिल सकता है मौका

राकेश पांडेय, वाराणसी

- बीएचयू में मुस्लिम शिक्षक विवाद में मध्यम मार्ग हो सकती है यह तैनाती
- धर्म विज्ञान संकाय में नियुक्ति को चुनौती के लिए तलाशे जा रहे साक्ष्य

विलक्षण प्रतिभाओं के लिए अवसरों की कतार लगी रहती है। यही वजह है कि बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में नियुक्त हुए डॉ. फिरोज खान को विवादों के बीच महामना के ही परिसर में अध्यापन का एक और अवसर मिलने की संभावना है। फिरोज का नाम चिकित्सा विज्ञान संस्थान के आयुर्वेद संकाय के तहत आने वाले संहिता एवं संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर होने वाली नियुक्ति के योग्य दावेदारों की सूची में पहले नंबर पर है। विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े उच्च अधिकारियों के बीच अब यह चर्चा भी होने लगी है कि मुस्लिम शिक्षक के नाते धर्म विज्ञान संकाय के छात्रों का विरोध झेल रहे फिरोज यदि आयुर्वेद संकाय के संस्कृत विभाग के साक्षात्कार में सफल हो जाते हैं तो इस पूरे मामले में बीच का रास्ता भी निकाला जा सकता है।

आयुर्वेद विभाग के संहिता एवं संस्कृत विभाग में ओबीसी वर्ग के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए 29 नवंबर को साक्षात्कार है। योग्य अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्ट बीएचयू की वेबसाइट पर शुक्रवार की शाम अपलोड होने के साथ ही फिरोज को लेकर चर्चाओं ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया। लिस्ट में पहले नंबर पर फिरोज का नाम और अर्हता अंक 86.75 दर्ज है। हालांकि विस्तृत पता आदि न होने से कुछ लोगों ने आशंका भी जाहिर की कि हो न हो यह कोई और अभ्यर्थी हो। इस बारे में पूछने पर चयन एवं आकलन प्रकोष्ठ की उप कुलसचिव सुनीता चंद्रा ने कहा कि नाम से तो यही स्पष्ट हो रहा है कि यह वही फिरोज हैं, जिनकी नियुक्ति धर्म विज्ञान संकाय में हुई है, लेकिन एकदम सटीक तौर पर इस बारे में पुष्टि शनिवार को दफ्तर खुलने पर दस्तावेज में पता आदि देखकर की जा सकती है।

मौलाना कल्बे जवाद ने कहा-फिरोज पर गर्व करना चाहिए

जासं, अलीगढ़ : शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रो. डॉ. फिरोज खान का बचाव किया। फिरोज की नियुक्ति पर कहा कि यदि कोई मुस्लिम संस्कृत पढ़ा रहा है तो इससे अच्छी और क्या बात हो सकती है? यह गर्व की बात है। यदि कोई हिंदू अच्छी उर्दू पढ़ाता है तो उस पर भी हमें गर्व होना चाहिए। उसका स्वागत करना चाहिए।

वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले में मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन देने पर भी बोले। कहा, वहां मस्जिद बनाने की बात चल रही है। मगर, पहले से अयोध्या समेत देशभर में जो मस्जिद हैं, उन्हें ही हमें ठीक कर लेना चाहिए, फिर आगे की सोचें। शुक्रवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी में आए मौलाना ने कहा कि पांच एकड़ पर नई मस्जिद बनती है तो फिर नया विवाद खड़ा होगा। कोई मुतवल्ली के लिए लड़ेगा तो कोई ट्रस्ट को लेकर विवाद खड़ा करेगा। मेरी राय में वहां पर स्कूल, अस्पताल आदि का निर्माण होना चाहिए।

बैठक

अभाविप के राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में प्रस्तावों पर चर्चा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अनुच्छेद 370, स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सहित रखे गए अन्य प्रस्ताव

मातृभूमि की भाषा हिंदी, राष्ट्र के आदर्श पुरुष राम

जागरण संवाददाता, आगरा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में शुक्रवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस सुबय्या ने कहा कि देश में बोलचाल की भाषा कोई भी हो सकती है, मगर मातृभूमि की भाषा हिंदी ही है। वहीं, भारत एक आध्यात्मिक देश है। ऐसे में भारत की जीवन यात्रा में ऐतिहासिक मोड़ आया है। 70 साल बाद राष्ट्र के आदर्श पुरुष राम का मंदिर बनाने का मौका आया है, इसका स्वागत करते हैं। यहां अभाविप के 65 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए आगरा कॉलेज मैदान में बसाए गए गुरु नानक देव नगर में शुक्रवार को अधिवेशन के प्रस्तावों पर विमर्श हुआ।

सुबय्या ने कहा कि पूंजीवादी देशों के लिए देश की भूमि भोग और संसाधन के लिए होती है। हमारे लिए भूमि माता का महत्व रखती है। वहीं, साम्यवाद 100 फीसद नकारात्मक है। कहा कि भारत राष्ट्र के आदर्श पुरुष राम, श्रीकृष्ण और शिवजी की भूमि है। भारतीय विचारधारा सकारात्मक है। हमारे यहां युद्ध की विजय को धर्म विजय कहते हैं, इसलिए रावण वध के लिए श्री राम 14 वर्ष तक वनवास में रहे। अब 70 साल बाद राष्ट्र के आदर्श पुरुष राम का मंदिर बनाने का मौका मिला है। स्वतंत्रता के 72 साल बाद अनुच्छेद 370 हटाया गया है। ये सकारात्मक परिवर्तन हैं। इसे आगे लेकर जाना है। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील आंबेकर सहित राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य मौजूद रहे।

आगरा कॉलेज के खेल मैदान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रदर्शनी का अवलोकन करते उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा व अन्य। जागरण

वामपंथियों का सर्वनाश करने के लिए काम करेगी अभाविप : राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस सुबय्या ने जेएनयू प्रकरण में गुरुवार को कहा था कि छात्र हित के लिए वामपंथियों के साथ अभाविप है। शुक्रवार को कहा कि जेएनयू में महिला प्राध्यापक को 30 घंटे बंधक बनाए रखा। वे भूल गए कि यह गंगा की धरती है, यहां महिला के अपमान पर युद्ध हुआ है। जेएनयू में वामपंथियों का सर्वनाश करने के लिए अभाविप काम करेगी।

अधिवेशन का विधिवत उद्घाटन शनिवार को किया जाएगा। 25 नवंबर को अधिवेशन का समापन होगा।

जलियांवाला बाग हत्याकांड को समर्पित प्रदर्शनी : अधिवेशन स्थल पर जलियांवाला बाग हत्याकांड के 100 वर्ष पूरे होने पर प्रदर्शनी सजाई गई है। इसमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस से लेकर विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान सहित राष्ट्र के 51 योद्धाओं के चित्र हैं। उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

चिन्मयानंद प्रकरण में कोर्ट से समन जारी, पुलिस बोली-नहीं मिले

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

- पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद से ब्लैकमेलिंग का मामला
- डीसीबी चेयरमैन व भाजयुमो के पूर्व जिला महामंत्री हैं आरोपित

> कोर्ट ने समन जारी किए होंगे, लेकिन हम तक नहीं पहुंचे। जब समन मिलेंगे तब रिसीव करा देंगे।
> -किरनपाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक, सदर बाजार, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद से ब्लैकमेलिंग के आरोपित भाजपा नेताओं के खिलाफ मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की कोर्ट से समन तो जारी हो गए, लेकिन पुलिस कह रही है कि उसको नहीं मिले। ऐसे में वह आगे कोई कदम नहीं उठा सकती। ब्लैकमेलिंग के आरोप में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष जेपीएस राठौर के भाई डीसीबी चेयरमैन डीपीएस राठौर व भाजयुमो के पूर्व जिला महामंत्री अजीत सिंह के खिलाफ गुरुवार को सीजेएम कोर्ट से दोबारा समन जारी हुए थे। माना जा रहा था कि सदर बाजार व आरसी मिशन थाने की पुलिस दोनों आरोपितों को शुक्रवार को समन रिसीव करा सकती है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पुलिस का दावा है कि उसे समन मिले ही नहीं। ऐसे में अब शनिवार को समन रिसीव कराने की उम्मीद है।

इससे पहले 15 नवंबर को सीजेएम की अदालत ने दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ समन जारी किए थे, तब भी पुलिस ने भाजपा नेताओं के न मिलने का हवाला देकर समन रिसीव नहीं कराए थे। इस बार समन रिसीव न कराने पर दोनों नेताओं के खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी हो सकता है। ऐसे में इन नेताओं की मुश्किलें बढ़नी तय हैं।